बिहार राज्य में कटिहार जिले के ब्लाक मुख्यालयों में उप-डाकघर खोलना

635. श्री युवराज : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य के कटिहार जिले में अहमदाबाद, प्राणपुर, आजमनगर, बलरामपुर, कोढा, अलका और कोधा ब्लाक के मुख्यालयों में कोई उप-डाकघर नहीं है ।

(ख) क्या उक्त सभी ब्लाक पिछले क्षेत्रों में है और बाढ़ पीड़ित क्षेत्र होने के कारण वहां लोगों को भारी कठिनाई होती है;

(ग) क्या पिछड़े क्षेत्रों की जनता की सुविधा के लिए सरकार विशेष ध्यान देने की व्यवस्था करने के लिए वचनबद्ध है; और

(घ) यदि हां, तो उक्त ब्लाक मुख्यालयों में उप-डाकघरों की कब स्थापना की जाएगी और यदि ऐसा करने का कोई विचार नहीं है, तो इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्री (श्री जार्ज फर्नांनडिस) : (क) इन सभी खण्ड मुख्यालयों में शाखा डाकघर हैं, जिनसे मूल डाक सुविधाएं मिल जाती हैं । अलबत्ता वहां उप-डाकघर नहीं है ।

(ख) डाक-विकास के प्रयोजन के लिए इन खंडों को अत्यंत पिछड़ा घोषित नहीं किया गया है ।

(ग) यह मंत्रालय अत्यंत पिछड़े इलाकों में डाक सुविधाओं का विस्तार करने के प्रश्न पर विशेष ध्यान देता है ।

(घ) इन खंड मुख्यालयों में शाखा डाकघर काम कर रहे हैं । विभागीय मानदंडों के अनुसार उनका दर्जा बढ़ाने का फिलहाल औचित्य नहीं बनता है ।

मारुति के श्रमिकों की मांग

636. श्री उग्रसेन : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मारुति श्रमिक संघ ने 1977 के मई मास के उत्तरार्द्ध में प्रधान मंत्री के निवास स्थान के सामने भूख हड़ताल की जिसमें छटनीशुदा श्रमिकों को काम पर वापिस लेने की मांग की थी ;

(ख) संघ की अन्य मुख्य मांग क्या हैं ; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री (श्री रवीन्द्र वर्मा) (क) जी हां ।

(ख) इस यूनियन की अन्य मुख्य मांगें इस प्रकार हैं :—

(i) कम्पनी का अविलम्ब राष्ट्रीयकरण ।

(ii) ऐसे श्रमिकों को पुनः रोजगार जिन्हें त्यागपत्र देने के लिए विवश किया गया था ।

(iii) श्रम कानूनों का उल्लंघन करने के कारण कम्पनी के प्रबन्धकों के विरुद्ध समुचित कार्यवाही ।